www.sgbauonline.com

M.A. Part–I Examination

INDIAN MUSIC

Paper–II

(Study of Music Literature and Acoustics)

Time : Three Hours] [Maximum Marks : 100

N.B. :– (1) Answer **all** questions.

(2) All questions carry equal marks.

1. Write your views on music of vedic period in brief and explain the importance of Natyashastra.

OR

Compare the Shruti-Swara arrangement as described by Pt. Sharangdev and Pt. Vyankatmakhi. 20

2. Explain staff notation system and throw light on the utility of it.

OR

Write detail information regarding clef with diagram and write Aaroh-Avaroh of Rag Bhairav and Rag Bihag in staff notation system. 20

3. Compare the North Indian and Karnatak swar saptakas and explain any two kinds of prabandhas of Karnatak System.

OR

Compare the North Indian and Karnatak taal system and write the form of Dhruv and Math taalas. 20

4. Write short notes :

(a) Frequency

(b) Echo

(c) Musical Sound

(d) Vibration

OR

Explain the physiology of human ear and explain the basic elements of voice-culture. 20

5. Define Ras and clarify the views written by modern musicologists on the relation between Raag and Ras.

OR

Clarify the co-relation between Raag and Ras. 20

www.sgbauonline.com

www.sgbauonline.com

AU–2117

M.A. Part–I Examination

INDIAN MUSIC

Paper–II

(Study of Music Literature and Acoustics)

Time : Three Hours] [Maximum Marks : 100

(मराठी माध्यम)

नोट :– (1) सर्व प्रश्न सोडवा.

(2) सर्व प्रश्नांना समान गुण आहेत.

1. वेदकालीन संगीता वर स्वतः चे विचार थोडक्यात लिहून नाट्यशास्त्रा चे महत्व विशद करा.

किंवा

पं. शारंगदेव आणि पं. व्यंकटमखी ह्यांच्या श्रुति स्वर व्यवस्थे ची तुलना करा. 20

2. स्टाफ नोटेशन पद्धति स्पष्ट करून त्यांच्या उपयोगिते वर प्रकाश टाका.

किंवा

क्लॅफ ला विस्ताराने आकृतीसह स्पष्ट करून राग भैरव आणि राग बिहाग चा आरोह-अवरोह स्टाफ नोटेशन पद्धतित लिहा. 20

3. उत्तर भारतीय आणि कर्नाटक स्वर सप्तकांची तुलना करून कर्नाटक पद्धतीतील कोणतेही दोन प्रबंध प्रकार विशद करा.

किंवा

उत्तर भारतीय आणि कर्नाटक ताल पद्धति ची तुलना करून ध्रुव व मठ तालांचे स्वरूप लिहा. 20

4. थोडक्यात लिहा :

(अ) आवृत्ति

(ब) प्रतिध्वनि

(स) सांगीतिक ध्वनि

(द) आंदोलन.

किंवा

कर्णेन्द्रियाची रचना सांगून कंठस्वर साधने च्या मूल तत्वां चे वर्णन करा. 20

5. 'रस' काय आहे हे सांगून आधुनिक शास्त्रकारांनी राग अणि रस च्या संबंधी वर लिहिलेले विचार स्पष्ट करा.

किंवा

'राग आणि 'रस' यांचा परस्पर संबंध स्पष्ट करा. 20

www.sgbauonline.com

www.sgbauonline.com

AU–2117

M.A. Part–I Examination
INDIAN MUSIC
Paper–II
(Study of Music Literature and Acoustics)

Time : Three Hours] [Maximum Marks : 100

(हिन्दी माध्यम)

सूचना :– (1) सभी प्रश्न हल कीजिये ।

(2) सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।

1. वैदिक कालीन संगीत पर अपने विचार संक्षेप में लिखिये, तथा नाट्यशास्त्र के महत्व को समझाइये।

अथवा

पं. शारंगदेव तथा पं. व्यंकटमखी द्वारा वर्णित श्रुतिस्वर व्यवस्था की तुलना कीजिये । 20

2. स्टाफ नोटेशन पद्धति को समझाते हुए उसकी उपयोगिता पर प्रकाश डालिये ।

अथवा

क्लॅफ को विस्तार से समझाते हुए (आकृति सहित) राग भैरव तथा राग बिहाग के आरोह-अवरोह को स्टाफ नोटेशन पद्धति में लिखिये । 20

3. उत्तर भारतीय एवं कर्नाटक स्वर-सप्तकों की तुलना करते हुए कर्नाटक पद्धति के किन्हीं दो प्रबंध प्रकारों को समझाइये ।

अथवा

उत्तर भारतीय एवं कर्नाटक ताल पद्धति की तुलना कीजिये तथा ध्रुव एवं मठ तालों के स्वरूप को लिखिये । 20

4. टिप्पणी लिखिये :

(अ) आवृत्ति

(ब) प्रतिध्वनि

(स) सांगीतिक ध्वनि

(द) आंदोलन ।

अथवा

कर्णेन्द्रिय की बनावट को समझाइये और कंठ स्वर साधना के मूलतत्वों को वर्णित कीजिये । 20

5. रस को परिभाषित कीजिये तथा आधुनिक शास्त्रकारों के राग और रस के संबंध पर लिखित विचारों को स्पष्ट कीजिये ।

अथवा

राग और रस के परस्पर संबंध को स्पष्ट कीजिये । 20

www.sgbauonline.com

www.sgbauonline.com

www.sgbauonline.com